अनुक्रमणिका INDEX

क्र. No.	विषय सूची	Contents	पृष्ठ क्र. Page No.
1.	अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक का भाषण	Chairman & Managing Director's Address	6
2.	निदेशकों की रिपोर्ट	Directors' Report	13
	• प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण	• Management Discussion and Analysis	15
	• बैंक ऑफ महाराष्ट्र - वर्ष 2011-12 का कार्य निष्पादन	• Performance in 2011-12	16
	• संगठन और समर्थन सेवाएं	• Organisation and Support System	21
	• सामाजिक बैंकिंग	• Social Banking	31
	• बैंक की महत्वपूर्ण योजनाएं / परियोजनाएं	• Important Schemes/Projects of the Bank	32
	• निगमित सामाजिक दायित्व	• Corporate Social Responsibility	33
	• अग्रणी बैंक योजना	• Lead Bank Scheme	34
	• सहायक कंपनियां / संयुक्त उद्यम और प्रायोजित संस्थाएं	• Subsidiaries/Joint Ventures and Sponsored Institutions	35
	• राजभाषा नीति का कार्यान्वयन	• Implemention of Official Language Policy	36
	• निदेशकों की जिम्मेदारी का कथन	• Directors' Responsibility Statement	36
	• निदेशक मंडल में परिवर्तन	• Changes in the Board of Directors	37
	• आभार	• Acknowledgments	37
3.	कार्पोरेट गवर्नेन्स पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट	Report of the Board of Directors on Corporate Governance	38
4.	तुलनपत्र	Balance Sheet	56
5.	लाभ व हानि लेखा	Profit & Loss Account	57
6.	महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	Significant Accounting Policies	66
7.	खातों पर टिप्पणियां	Notes on Accounts	72
8.	नकदी प्रवाह का विवरण	Statement of Cash Flow	104
9.	लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	Auditors' Report	106
10.	समेकित वित्तीय विवरण	Consolidated Financial Statement	109

संवैधानिक लेखा परीक्षक STATUTORY AUDITORS

कृते रे एंड कं.
सनदी लेखाकार
कोलकाता
For Ray & Co.
Chartered Accountants
Kolkata

कृते जोध जोशी एंड कं.
सनदी लेखाकार
नागपुर
For Jodh Joshi And Co
Chartered Accountants
Nagpur

कृते जेसीआर एंड कं.
सनदी लेखाकार
मुंबई
For JCR & Co.
Chartered Accountants
Mumbai

कृते एन कुमार छाबरा एंड कं
सनदी लेखाकार
चंडीगढ़
For N.Kumar Chhabra & Co.
Chartered Accountants
Chandigarh

कृते डी एस पी एंड असोशिएटस्
सनदी लेखाकार
नई दिल्ली
For DSP & Associates
Chartered Accountants
New Delhi

कृते कीर्तने एंड पंडित
सनदी लेखाकार
पुणे
For Kirtane & Pandit
Chartered Accountants
Pune

निदेशक मण्डल BOARD OF DIRECTORS

31-03-2012 को / As on 31-03-2012

श्री नरेन्द्र सिंह
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

Shri Narendra Singh
Chairman & Managing Director

श्री सी. वीआर. राजेन्द्रन
कार्यपालक निदेशक

Shri C. VR. Rajendran
Executive Director

श्री वी. पी. भारद्वाज
Shri V. P. Bhardwaj

सुश्री कमला राजन
Ms. Kamala Rajan

श्री ए. के. पंडित
Shri A. K. Pandit

डॉ. डी. एस. पटेल
Dr. D. S. Patel

श्री एस. डी. धनक
Shri S. D. Dhanak

श्री डॉ. नरेश कुमार दराल
Dr. Naresh Kumar Drall

श्री रमेशचन्द्र अग्रवाल
Shri Rameshchandra Agrawal

डॉ. एस. यू. देशपांडे
Dr. S. U. Deshpande

महाप्रबंधक GENERAL MANAGERS

31-03-2012 को / As on 31-03-2012

श्री अजय एस. बनर्जी
मुख्य महाप्रबंधक
Shri Ajay S. Banerjee
Chief General Manager

श्री बी. के. पिपरैया
Shri B. K. Piparaiya

श्री वी. ई. दलवी
Shri V. E. Dalvi

श्री एम. सी. गोयल
Shri M. C. Goyal

श्री एस. डी. आर्या
Shri S. D. Arya

श्री पी. एस. वेंगूर्लेकर
Shri P. S. Vengurlekar

श्री के. पार्थसारथी
Shri K. Parthasarathi

श्री डी. आर. हरनागले
Shri D. R. Harnagle

प्रगति एक दृष्टि में / Progress at a Glance

कुल जमाराशियाँ (₹ करोड़ में)
TOTAL DEPOSITS (₹ in crore)

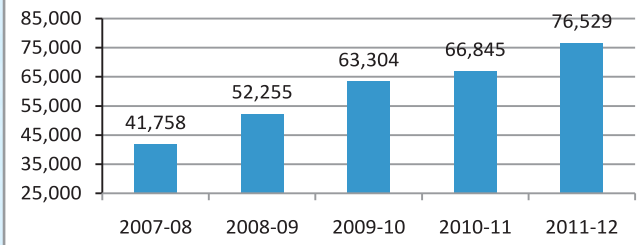

प्रति कर्मचारी कारोबार (₹ करोड़ में)
Business per Employee (₹ In crore)

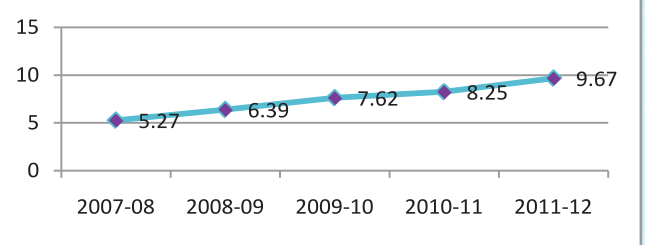

अग्रिम (₹ करोड़ में)
ADVANCES (₹ in crore)

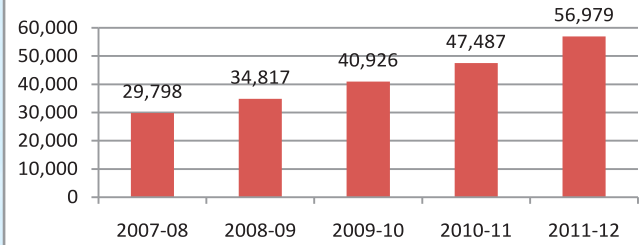

निवल अनर्जक आस्तियाँ
Net NPA (%)

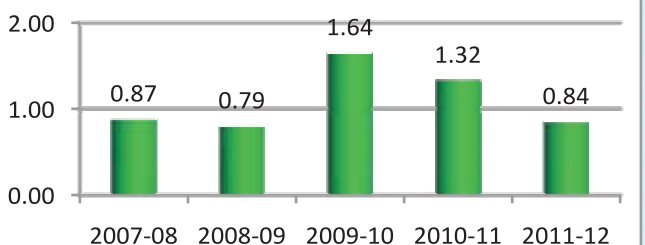

कुल जमाराशियों मे चालू खाता बचत खाता का हिस्सा (%)
CASA Share in Total Deposits (%)

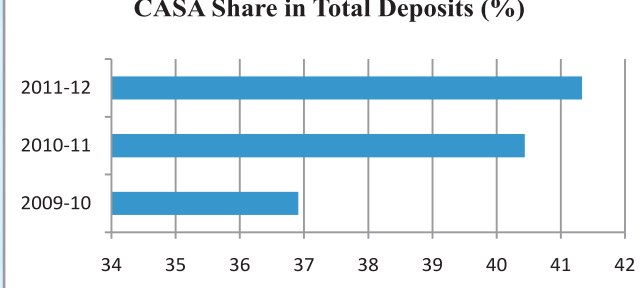

पारेचालनगत / निवल लाभ
Operating / Net Profit

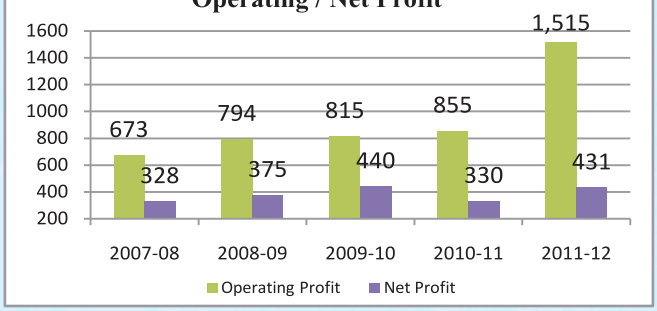

निवल ब्याज मार्जिन (%)
Net Interest Margin (%)

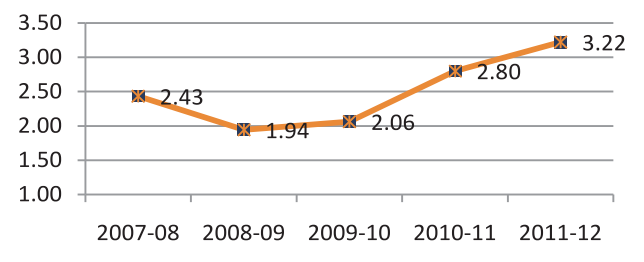

माननीय केन्द्रीय वित्त मंत्री श्री प्रणव मुखर्जी दिनांक 07/11/2011 को प्रधान कार्यालय 'लोकमंगल' में अपनी भेंट के दौरान जोग हॉल में महाबैंक परिवार से संवाद करते हुए.
Shri. Pranab Mukherjee, Honble. Union Finance Minister speaking to the Mahabank Pariwar in Joag Hall during his visit to Head Office 'Lokmangal' at Pune on 07/11/2011.

डॉ. के. सी. चक्रवर्ती, उप गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक दिनांक 26-12-2011 को रायगड जिले के उरण के समीप नवघर गांव में ग्राम सेवा केन्द्र का उद्घाटन करते हुए।
चित्र में नज़र आ रहे हैं (बाएं से दाएं) श्री एम. जी. संघवी, कार्यपालक निदेशक, डॉ. के. सी. चक्रवर्ती, उप गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक, श्री ए. एस. भट्टाचार्य, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र.
Dr. K. C. Chakrabarty, Deputy Governor, Reserve Bank of India inaugurating Mahabank Gram Seva Kendras at Navghar village near Uran of Raigad District on 26-12-2011.
Seen in photo (L-R) Mr. M. G. Sanghvi, Executive Director, Dr. K. C. Chakrabarty, Deputy Governor, RBI, Shri A S Bhattacharya, Chairman & Managing Director, Bank of Maharashtra.

श्री एच. आर. खान, उप गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक, श्री ए. एस. भट्टाचार्य, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक तथा श्री एम. जी. संघवी, कार्यपालक निदेशक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र के साथ बाजीराव रोड शाखा, पुणे में एटीएम गैलरी का उद्घाटन करते हुए।
Shri H.R. Khan, Deputy Governor, RBI with Shri A S Bhattacharya, Chairman & Managing Director & Mr. M. G. Sanghvi, Executive Director, Bank of Maharashtra inaugurating ATM Gallery at Bajirao Road Branch Pune.

''लोकमंगल'', शिवाजीनगर, पुणे में दिनांक 25 जून, 2012 को बैंक की 9वीं वार्षिक आम सभा में बैंक ऑफ महाराष्ट्र के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक द्वारा दिया गया भाषण

9th Annual General Meeting of Bank of Maharashtra held on 25th June, 2012 at 'Lokmangal', Shivajinagar, Pune, Chairman and Managing Director's Address

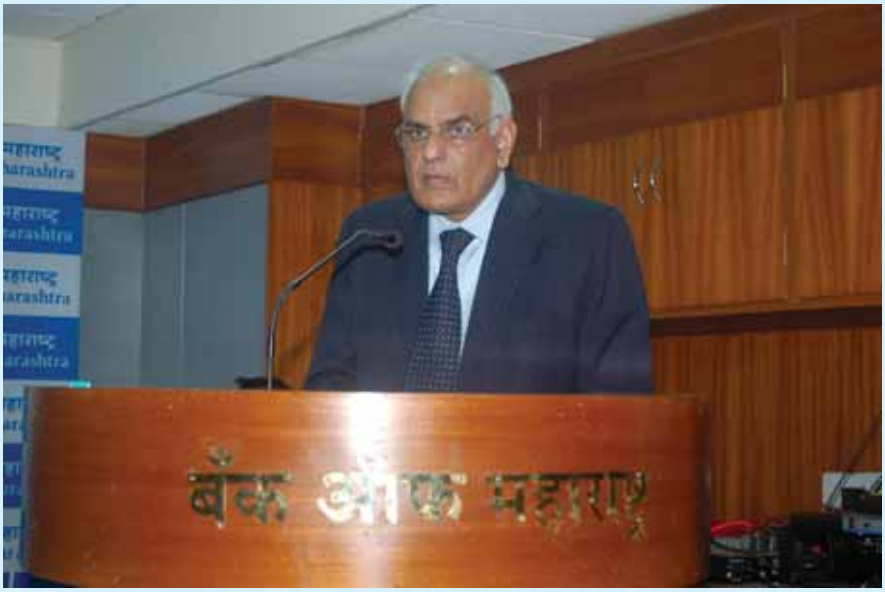

श्री नरेन्द्र सिंह
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

Shri Narendra Singh
Chairman & Managing Director

प्रिय शेयरधारकों,

आपके बैंक की 9वीं वार्षिक आम सभा में आपका स्वागत करते हुए तथा वित्तीय वर्ष 2011-12 के लिए आपके बैंक की वार्षिक रिपोर्ट आपके सम्मुख प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है. दिनांक 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष हेतु निदेशकों की रिपोर्ट और लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण पहले से ही आपके पास हैं और आपकी अनुमति से, मैं उन्हें पढ़ा हुआ समझता हूं. आरंभ में, मैं आपके सतत विश्वास, सहयोग और संरक्षण के लिए आपको धन्यवाद देना चाहता हूं, जिसके कारण बैंक चुनौतिपूर्ण स्थितियों में भी प्रगति पथ पर रहा.

बैंक के कार्यनिष्पादन का विवेचन करने से पूर्व मैं आर्थिक और बैंकिंग परिवेश पर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं, जिसमें वर्ष 2011-12 के दौरान आपके बैंक ने कार्यनिष्पादन किया.

आर्थिक और बैंकिंग परिदृश्य

वर्ष 2011 में, वैश्विक अर्थव्यवस्था वर्ष 2010 में प्राप्त वृद्धि पर स्थिर नहीं रह सकी. वैश्विक व्यापार परिमाण में वृद्धि गत वर्ष के 12.9% से घटकर वर्ष 2011 में 5.8% रही. इसका असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा. भारत में जीडीपी वृद्धि विगत वर्ष के 8.4% से घटकर वर्ष 2011-12 में 6.5% रही, जिसमें प्रत्येक तिमाही में सतत गिरावट प्रदर्शित हुई. यूरो संकट, मुद्रास्फीति की उच्च दर, उच्च ब्याज दरें, उच्च राजकोषीय घाटा और बढ़ता हुआ वर्तमान घाटा इस धीमी आर्थिक वृद्धि के मुख्य कारण रहे हैं. मार्च 2012 में 6.9% पर संयत होने से पूर्व वर्ष के अधिकांश समय में मुद्रास्फीति 9% से अधिक रही. निम्न वैश्विक मांग, उच्च ब्याज दरों और उच्च प्रविष्टि लागतों के कारण, औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि वर्ष 2010-11 के 8.2% की तुलना में वर्ष 2011-12 में 2.8% रही.

मौद्रिक स्तर पर, भारतीय रिज़र्व बैंक ने उच्च घरेलू मुद्रास्फीति स्तर में लगाम लगाने के लिए एक महंगी मुद्रा नीति को अपनाया. भारतीय रिज़र्व बैंक ने वर्ष 2010 से बेंचमार्क नीति ब्याज दर, रेपो दर में 13 बार लगातार वृद्धि करते हुए 375 आधार अंकों की वृद्धि की. इसी प्रकार बैंक की उधारी दरों में भी वृद्धि हुई. संबंधित धीमी आर्थिक गतिविधियों और उच्च ब्याज दरों को देखते हुए अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के ऋण में विगत वर्ष के 21.5% की तुलना में वर्ष 2011-12 में 19.3% की वृद्धि हुई.

Dear Shareholders,

I have great pleasure in welcoming you to the Ninth Annual General Meeting of your Bank and placing before you the Annual Report of your Bank for the financial year 2011-12. The Directors' Report and the Audited Financial Statements for the year ended 31st March 2012 are already with you and with your permission, I take them as read. At the outset, I would like to thank you, for your continuous trust, support and patronage, which has enabled the Bank progress through the challenging situations.

Before I deliberate on the Bank's performance, I would like to touch upon the economic and banking environment, in which your Bank performed during the year 2011-12.

Economic and Banking Scenario

In 2011, the global economy could not sustain the growth momentum, gained in 2010. The growth in world trade volume declined to 5.8 per cent in 2011 from 12.9 per cent in the previous year. This had its impact on Indian economy too. GDP growth in India slowed down to 6.5 per cent in 2011-12 from 8.4 percent in the previous year, with a consistent downward trend in each quarter. The Euro crisis, high rates of inflation, high interest rates, high fiscal deficit and widening current account deficit are the major reasons behind this slower economic growth. The inflation remained above 9 percent in the major part of the year, before moderating to 6.9 per cent in March 2012. Due to lower global demand, high interest rates and high input costs, growth in industrial output decelerated to mere 2.8 per cent in 2011-12 as compared to 8.2 per cent in 2010-11.

On monetary front, the Reserve Bank of India adopted a dear money policy to rein in the high domestic inflation level. The RBI had increased the benchmark policy interest rate, the Repo Rate, 13 consecutive times by 375 basis points since 2010. Consequently bank lending rates also increased. In view of relatively slower economic activities and high interest rates, credit of scheduled commercial banks grew by 19.3 per cent in 2011-12 as compared to 21.5 per cent in the previous year.

बैंक का कार्यनिष्पादन

अब मैं मुख्य मानदण्डों पर वर्ष 2011-12 के दौरान आपके बैंक के कार्य निष्पादन का विश्लेषण आपके सम्मुख रखता हूं.

व्यवसाय

व्यवसाय बैंक का कुल व्यवसाय 16.77% की वृद्धि दर्ज करते हुए दिनांक 31.03.2011 के ₹ 1,14,332 करोड़ से बढ़कर 31.03.2012 को ₹ 1,33,508 करोड़ पर पहुंच गया.

बैंक की कुल जमाराशियां 14.49% की वृद्धि दर्शाते हुए दिनांक 31.03.2011 के ₹ 66,845 करोड़ से बढ़कर 31.03.2012 को ₹ 76,529 करोड़ हो गई. कम लागत जमाराशियों अर्थात चालू एवं बचत जमाराशियों में पिछले वर्ष की तुलना में 17.01% की वृद्धि हुई, जबकि उच्च लागत वाली बड़ी जमाराशियों में 21% की कमी आई. 31.03.2012 को कुल जमाराशियों में कम लागत वाली जमाराशियों का अंश 41.33% रहा, जो 31.03.2011 को 40.44% था तथा यह बैंकिंग उद्योग में उच्चतम में से एक है.

सकल अग्रिम लगभग 20% की वृद्धि दर्शाते हुए 31.03.2012 को रु.56,979 करोड़ रहे, जो 31.03.2011 को ₹ 47,487 करोड़ थे.

31.03.2012 को बैंक का ऋण जमा अनुपात 31.03.2011 के 71.04% की तुलना में 74.45% रहा.

प्रति कर्मचारी व्यवसाय 31.03.2011 के ₹ 8.25 करोड़ से बढ़कर 31.03.2012 को ₹ 9.67 करोड़ रहा तथा प्रति शाखा व्यवसाय ₹ 74.43 करोड़ से बढ़कर ₹ 84.02 करोड़ हो गया.

आय और अर्जन

कुल आय 28.89% की वृद्धि दर्शाते हुए 31.03.2012 को समाप्त वर्ष के दौरान ₹ 7,854.63 करोड़ रही, जो 31.03.2011 को समाप्त वर्ष के लिए ₹ 6,093.95 करोड़ थी. इस अवधि के दौरान अग्रिमों पर ब्याज आय 37.06% की वृद्धि दर्ज करते हुए ₹ 4,006.14 करोड़ से बढ़कर ₹ 5,490.63 करोड़ हो गई.

निवल ब्याज आय 27.87% की वृद्धि दर्शाते हुए पिछले वर्ष के ₹ 1,968.40 करोड़ की तुलना में 31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए ₹ 2,517.08 करोड़ थी.

बैंक की ब्याजेतर आय (खजाना संव्यवहार लाभों को छोड़कर) 34.24% की वृद्धि दर्शाते हुए गत वर्ष के रु.468.23 करोड़ से बढ़कर 31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए

Performance of the Bank

Now I place before you an analysis of the performance of your Bank during the year 2011-12 on major parameters.

Business

The total business of the Bank reached a level of Rs 1,33,508 crore as on 31.03.2012 from ₹ 1,14,332 crore as on 31.03.2011, recording a growth of 16.77%.

The total deposits increased to ₹ 76,529 crore as on 31.03.2012 from ₹ 66845 crore as on 31.03.2011, showing a growth of 14.49%. The low cost deposits, i.e current and savings deposits, grew by 17.01% over the previous year, while the high cost bulk deposits have declined by 21%. The share of low cost deposits to total deposits has gone up from 40.44% as on 31.03.2011 to 41.33% as on 31.03.2012, which is one of the highest in the Banking Industry.

The Gross Advances increased to ₹ 56,979 crore as on 31.03.2012 from ₹ 47,487 crore as on 31.03.2011, registering a growth of almost 20%.

The Credit Deposit Ratio of the Bank as on 31.03.2012 stood at 74.45% as against 71.04% as on 31.03.2011.

Business per Employee has grown to ₹ 9.67 crore as on 31.03.2012 from ₹ 8.25 crore as on 31.03.2011 and the business per branch to ₹ 84.02 crore from ₹ 74.43 crore.

Income and Earnings

The total income increased to ₹ 7,854.63 crore during the year ended 31.03.2012, from ₹ 6093.95 crore for the year ended 31.03.2011, showing a growth of 28.89%. During this period, the interest income on advances increased to ₹ 5,490.63 crore from ₹ 4,006.14 crore, registering a growth of 37.06%.

The Net Interest Income was ₹ 2,517.08 crore for the year ended 31.03.2012, as against ₹ 1968.40 crore for the previous year, showing a growth of 27.87%.

The non-interest income of the Bank (excluding treasury trading profits) increased to ₹ 628.55 crore for the year ended 31.03.2012 from ₹ 468.23 crore for the previous year, showing a growth of 34.24%. To

मंच पर बैंक के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, कार्यपालक निदेशक, निदेशक मंडल के निदेशक एवं वरिष्ठ कार्यपालक
Chairman & Managing Director, Executive Director and Directors on the Board and senior executives of the Bank on the dais

शेयरधारक वार्षिक आम सभा में भाग लेने हेतु पंजीकरण कराते हुए
Shareholders registering to attend the Annual General Meeting

₹ 628.55 करोड़ रहीं. शुल्क आधारित आय में वृद्धि के लिए, बैंक ने अन्य पक्ष उत्पाद जैसे डिपॉजिटरी सेवाएं, बीमा / म्युचुअल फंड उत्पाद, एएसबीए, करों के ई-संग्रहण तथा ईक्विटी के ई-ट्रेडिंग इत्यादि के संवितरण पर ध्यान केंद्रित किया. ब्याज दरों में वृद्धि करने के कारण खजाना परिचालनों से लाभ में कमी आई.

परिचालन लाभ वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 77.21% की सुदृढ़ वृद्धि दर्ज करते हुए 31.03.2011 को समाप्त वर्ष के लिए ₹ 855.03 करोड़ की राशि पर उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाते हुए 31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए ₹ 1,515.24 करोड़ रहा. अन्य आय में वृद्धि और पिछले वर्ष पर स्टाफ खर्च में कमी इस उपलब्धि के मुख्य योगदान कारक रहे हैं.

₹ 264.91 करोड़ के प्रति-चक्रीय प्रावधान करने के बावजूद भी, वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 30.40% की ठोस वृद्धि दर्शाते हुए, बैंक का निवल लाभ गत वर्ष के ₹ 330.39 करोड़ की तुलना में 31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए रु.430.83 करोड़ रहा.

लागत, आय और मार्जिन

वर्ष के दौरान ब्याज दरों में निरंतर वृद्धि देखी गई तथा संसाधनों की लागत को नियंत्रित करना बैंक के लिए चुनौतिपूर्ण रहा. जमाराशियों की लागत 31.03.2011 को समाप्त वर्ष के लिए 5.38% थी, जो 31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए बढ़कर 6.35% हो गई. बैंक की कम लागत की जमाराशियों के मजबूत आधार ने इस लागत को बनाए रखने में मदद की.

अग्रिमों पर आय 175 बीपीएस की वृद्धि दर्शाते हुए, गत वर्ष के 9.69% से बढ़कर 31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए 11.44% रही. एक मजबूत ऋण निगरानी प्रणाली और गैर-निष्पादन आस्तियों में सतत वसूली के कारण, बैंक आस्ति गुणवत्ता और उसकी उत्पादकता को बनाए रखने में समर्थ रहा.

निवल ब्याज मार्जिन (निम) तिमाही दर तिमाही सतत रूप से बढ़ता रहा.

निवल ब्याज मार्जिन (निम) 42 बीपीएस की वृद्धि दर्शाते हुए 31.03.2012 को समाप्त वर्ष के लिए 3.22% रहा, जो 31.03.2011 को समाप्त वर्ष के लिए 2.80% था. यह उत्पादकता संकेतक उद्योग में तुलनात्मक रूप से सर्वोत्तम रहा.

आय से लागत अनुपात 31.03.2011 के 65.79% से घटकर 31.03.2012 को 52.02% हो गया, जो कि मुख्यतः विगत वर्ष के कर्मचारी लागत में कटौती के कारण हुआ.

अन्य लाभप्रदता अनुपात

स्तर पर प्राप्ति दर्शाने वाला एक मजबूत आधार 31.03.2012 को विभिन्न लाभप्रदता अनुपातों में प्रदर्शित हुआ. वर्ष के लिए आस्तियों पर प्रतिफल (आरओए) 8 बीपीएस से

improve the fee based income, the Bank focused on the distribution of third party products like depository services, insurance/mutual fund products, ASBA, e-collection of taxes and e-trading of equity etc. The profit from the treasury operations declined due to the hardening of Interest rates.

The Operating Profit has shown a remarkable rise from ₹ 855.03 crore for the year ended 31.03.2011 to ₹ 1515.24 crore for the year ended 31.03.2012, registering a healthy growth of 77.21% on Y-o-Y basis. The major contributing factors for this achievement are growth in other income and reduction in staff expenditure over the previous year.

The Net Profit of the Bank for the year ended 31.03.2012 was ₹ 430.83 crore, as against ₹ 330.39 crore for the previous year, showing a sound growth of 30.40% on Y-o-Y basis, despite making a counter cyclical provision of ₹ 264.91 crore

Cost, Yield & Margin

The year witnessed consistent hardening of the interest rates and it was a challenge for the banks to control cost of resources. The cost of deposits, which was 5.38% for the year ended 31.03.2011, increased to 6.35% for the year ended 31.03.2012. Bank's strong base of low cost deposits has helped in containing this cost.

The yield on advances rose to 11.44% for the year ended 31.03.2012 from 9.69% for the previous year, showing a handsome growth of 175 bps. A robust credit monitoring system and substantial recovery in non-performing assets has enabled the Bank to keep up the asset quality and its productivity.

The Net Interest Margin (NIM) has been consistently growing quarter after quarter.

The NIM, which was 2.80% for the year ended 31.03.2011, stood at 3.22% for the year ended 31.03.2012, showing rise of 42 bps. This productivity indicator is comparable to the best in the industry.

The cost to income ratio came down to 52.02% as on 31.03.2012 from 65.79% as on 31.03.2011, which was mainly due to the reduction in staff cost over the previous year.

Other Profitability Ratios

A sound foundation indicating the gains on the productivity front, has reflected in various profitability ratios as at 31.03.2012. Return on

उच्च था और गत वर्ष के 0.47% की तुलना में यह 0.55% रहा. प्रति शेअर आय (ईपीएस) विगत वर्ष के रु.6.86 से बढ़कर ₹ 7.59 हो गई. इस अवधि के दौरान प्रति कर्मचारी लाभ ₹ 2.38 लाख से बढ़कर ₹ 3.12 लाख हो गया और प्रति शाखा लाभ ₹ 21.51 लाख से बढ़कर ₹ 27.11 लाख हो गया.

आस्ति गुणवत्ता

वर्ष के दौरान एनपीए की घटनाओं के कारण आस्ति गुणवत्ता बनाए रखना, बैंकिंग उद्योग के लिए चुनौतिपूर्ण रहा. आपको सूचित करते हुए मुझे प्रसन्नता होती है कि बैंक ने इस क्षेत्र में असाधारण रूप से अच्छा कार्य किया. आपके बैंक की सकल अनर्जक आस्तियां 31.03.2011 को सकल बैंक ऋण के 2.47% से घटकर 31.03.2012 को 2.28% रह गई. निवल अनर्जक आस्तियां 31.03.2011 को निवल बैंक ऋण के 1.32% से घटकर 31.03.2012 को 0.84% रह गई. निवल अनर्जक आस्तियों का प्रतिशत, एक प्रतिशत से कम लाना आपके बैंक के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि रही. प्रावधान कवरेज अनुपात 31.03.2011 के 65.55% की तुलना में 31.03.2012 को 80.36% रहा, जो आपके बैंक के तुलन पत्र की सन्निहित क्षमता को दर्शाता है.

पूंजी पर्याप्तता अनुपात

वर्ष के दौरान बैंक ने रु.10 के रु.605.09 करोड़ मूल्य के लगभग 10.79 करोड़ ईक्विटी शेअर ₹ 46.09 प्रति शेयर के प्रीमियम पर भारत सरकार और एलआईसी ऑफ इंडिया को अधिमान आधार पर आबंटित किए. इस पूंजी अंतर्वाह तथा लाभ के प्रतिधारण के कारण 31.03.2012 को पूंजी पर्याप्तता अनुपात 12.43% रहा, जबकि बासेल II की शर्तों के अनुसार भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा यह 9% निर्दिष्ट है.

लाभांश

निदेशक मंडल ने वर्ष 2011-12 के लिए 22% अर्थात ₹ 2.20 प्रति शेयर का लाभांश अनुशंसित किया है. मैं शेयरधारकों से इसके अनुमोदन का अनुरोध करता हूं.

जोखिम प्रबंधन

आपके बैंक ने निर्धारित विनियामक मानदंडों के अनुसार जोखिमों के अभिनिर्धारण, मापन तथा प्रबंधन हेतु पर्याप्त प्रणालियां और पद्धतियां स्थापित की हैं. भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी नए पूंजी पर्याप्तता ढांचा दिशानिर्देशों के अनुसार बैंक बासेल II अनुपालन वाला है. बासेल II के अधीन उन्नत अवधारणा का कार्यान्वयन और तत्पश्चात बासेल III की तैयारी सुनिश्चित करने के लिए समय सीमाएं तय की गई हैं.

शाखा नेटवर्क और डिलिवरी चैनल

वर्ष के दौरान, आपके बैंक ने 53 नई शाखाएं खोली, जिससे 31.03.2012 को शाखाओं का नेटवर्क 1589 का हो गया. ये शाखाएं 27 राज्यों और 2 संघशासित प्रदेशों में फैली हुई हैं.

Assets (ROA) for the year was higher by 8 bps and stood at 0.55% as against 0.47% for the previous year. Earning per Share (EPS) improved to ₹ 7.59 from ₹ 6.86 of the previous year. Profit per Employee grew from ₹ 2.38 lakh to ₹ 3.12 lakh and Profit per Branch from ₹ 21.51 lakh to ₹ 27.11 lakh during this period.

Asset Quality

During the year, it was a challenge for the banking industry to maintain the asset quality, by containing the incidence of NPA. I am happy to inform you that your Bank has done exceptionally well on this front. The gross non¬performing assets of your Bank declined from 2.47% of gross bank credit as on 31.03.2011 to 2.28% as on 31.03.2012. The net non-performing assets came down from 1.32% of the net bank credit as on 31.03.2011 to 0.84% as on 31.03.2012. The Net NPA percentage of Below ONE was a land mark achievement for your Bank. The Provision Coverage Ratio of 80.36% as on 31.03.2012, as against 65.55% as on 31.03.2011, reflects the built-in strength of the Balance Sheet of your Bank.

Capital Adequacy Ratio

During the year, the Bank has allotted 10.79 crore equity shares of ₹ 10 each at a premium of ₹ 46.09 per share on preferential basis to Government of India and LIC of India, amounting to ₹ 605.09 crore. With this capital infusion and retention of profit, the capital adequacy ratio stood at 12.43% as on 31.03.2012, as against minimum 9% prescribed by RBI in terms of Basel II.

Dividend

The Board of Directors has recommended a dividend of 22% i.e. ₹ 2.20 per share for the year 2011-12. I request the shareholders to approve the same.

Risk Management

Your Bank has put in place adequate systems and procedures for identifying, measuring and managing risks, as per the laid down regulatory norms. The Bank is Basel II compliant in terms of the New Capital Adequacy Framework guidelines issued by RBI. Time lines are drawn to ensure implementation of Advanced Approach under Basel II and for further preparation for Basel III.

Branch Network & Delivery Channels

During the year, your Bank has added 53 new branches, taking the net work of branches to 1589 as on 31.03.2012. These branches are

वार्षिक आम सभा में सहभाग लेते हुए शेयरधारक
Shareholders participating in Annual General Meeting

वर्ष के दौरान 85 नए एटीएम खोले गए तथा कुल एटीएम 502 हो गए. इसके अतिरिक्त बैंक ने वित्तीय समावेशन परियोजना के अंतर्गत गांवों में 107 महाबैंक ग्राम सेवा केन्द्र और अति सूक्ष्म शाखाएं खोलीं.

प्रौद्योगिकी

ग्राहक सेवा के मानकों में वृद्धि के लिए बैंक के पास एक अति उत्तम प्रौद्योगिकी प्लेटफार्म है. प्रौद्योगिकी समर्थित उत्पाद जैसे इंटरनेट बैंकिंग, एसएमएस/फोन बैंकिंग, केंद्रीय चेक प्रसंस्करण प्रणाली, चेक ट्रंकेशन प्रणाली, इन्स्टा डेबिट कार्ड, आरटीजीएस / एनईएफटी के लिए स्ट्रेट-थ्रू-प्रोसेसिंग, ऑनलाईन कर संग्रहण, ई-भुगतान सुविधाएं, ई-एफडी, ऑनलाईन बचत खाता खोलना, एएसबीए, शेयरों की ई-ट्रेडिंग, शिक्षा और आवास ऋणों के लिए ऑनलाईन आवेदन तथा चयनित शाखाओं पर ई-लाउंज ने ग्राहक सेवा मानदंडों की गुणवत्ता में पर्याप्त वृद्धि की. हमारे प्रायोजित आरआरबी अर्थात महाराष्ट्र ग्रामीण बैंक की सभी शाखाएं इस कोर बैंकिंग नेटवर्क के अंतर्गत हैं. आपके बैंक को सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं की सूचना सुरक्षा के प्रबंधन के लिए आईएसओ 27001:2005 प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है.

मानव संसाधन प्रबंधन

बैंक की व्यापक मानव संसाधन प्रबंधन नीति है, जिसका उद्देश्य, सभी परिचालन और प्रशासनिक इकाइयों को आवश्यकता आधारित मनुष्यबल उपलब्ध कराना, सतत परिवर्तित कार्य संविभाग के लिए सतत आधार पर मानव कौशल के संवर्धन का और बेहतर बनाने का तथा करियर प्रगति की आयोजना और कर्मचारियों का कल्याण करना है. वर्ष के दौरान बैंक ने 514 अधिकारियों और 152 लिपिकों की भर्ती की. विभिन्न वेतनमानों में 660 अधिकारियों और 422 लिपिकों की पदोन्नति की गई. बैंक ने सतत आधार पर विभिन्न आंतरिक और बाह्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया. वर्ष के दौरान विभिन्न वेतनमानों के 9377 कर्मचारियों ने इन कार्यक्रमों में सहभाग लिया. बैंक ने कर्मचारियों के लाभ के लिए विभिन्न कल्याण योजनाएं आरंभ की. वर्ष के दौरान औद्योगिक संबंध सौजन्यपूर्ण रहे.

प्राथमिकता क्षेत्र उधारी और वित्तीय समावेशन

हमारे शाखा नेटवर्क का 50% से भी अधिक भाग (अर्थात 847 शाखाएं) ग्रामीण और अर्ध शहरी केन्द्रों पर है, जो कि ग्रामीण और प्राथमिकता क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करता है. 31.03.2012 को प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत बकाया अग्रिम 40% के लक्ष्य की तुलना में विगत वर्ष के समायोजित निवल बैंक ऋण के 40.81% रहे. बैंक, महाराष्ट्र के लिए राज्य स्तरीय बैंकर समिति का संयोजक है और महाराष्ट्र में छह जिलों यथा औरंगाबाद, जालना, नाशिक, पुणे, सातारा और ठाणे में अग्रणी बैंक का उत्तरदायित्व तथा राज्य में प्राथमिकता क्षेत्रों हेतु ऋण प्रवाह की निगरानी में मुख्य भूमिका निभा रहा है.

spread over 27 states and 2 union territories. During the year, 85 new ATMs were added, making the total 502. Besides, the Bank has set up 107 Mahabank Gram Seva Kendras and Ultra Small Branches in villages under Financial Inclusion Project.

Technology

The Bank has one of the best Technology platforms for enhancing the standards of customer service. The technology enabled products like Internet banking, SMS/Phone Banking, Centralized Cheque Processing system, Cheque Truncation System, Insta Debit Cards, straight-through-processing for RTGS /NEFT, On-line Tax collection, e-payment facilities, e-FD, on-line SB account opening, ASBA, e-Trading of shares, on-line application for education and housing loans, and e-Lounge in select branches have added significantly to the customer service standards. All the branches of our sponsored RRB, i.e. Maharashtra Gramin Bank are also under this Core Banking Network. Your Bank was awarded ISO 27001 : 2005 Certification for Management of the Information Security of IT Services.

Human Resource Management

The Bank has a comprehensive HRM policy aiming at providing need based man-power to all operational and administrative units; enhancing and fine tuning the human skills on an ongoing basis for ever changing job profiles; and planning career progression and welfare of employees. During the year, the Bank recruited 514 officers and 152 clerks. Total 660 officers in different grades and 422 clerks were promoted. The Bank has been conducting different in-house and external training programmes on an ongoing basis. During the year 9,377 employees across the cadres participated in such programmes. The Bank has put in place various welfare schemes for the benefit of the employees. The industrial relations during the year have been cordial.

Priority Sector lending and Financial Inclusion

More than 50% of our branch net work (i.e. 847 branches precisely) is across rural and semi urban centres, which has been catering to the needs of the rural and priority sector. The outstanding advances under priority sector as of 31.03.2012, constituted 40.81% of the Adjusted Net Bank Credit of the previous year, as against the target of 40%.The Bank is Convener of the State Level Bankers' Committee for Maharashtra and has the Lead Bank responsibility for 6 districts in Maharshtra, viz. Aurangabad, Jalna, Nasik, Pune, Satara and Thane, playing a key role in monitoring credit flow to priority sectors in the state.

बैठक में चर्चा के बिंदुओं को नोट करते हुए महाप्रबंधकगण
General Managers noting down points in the meeting